रिवाइवल् संदेश

Revival Ministries Australia की ओर से
P.O. Box 2718 BC TOOWOOMBA Q4350 Australia
Phone: 61-7-46130633; e-mail: rma@revivalministries.org.au
Website: www.revivalministries.org.au

January*** **जनवरी** 2008 *** **जनवरी** 2008 *** **जनवरी** 2008 ***January

ईश्वरत्व का गम्भीर भेद

1 **तिमोथी** 3:15 कहती है कि ***"जीवते परमेश्वर की कलीसिया (है),जो सत्य का खंभा , और नेंव है"***। ईश्वरत्व का भेद का सच्चाई जो एक आवश्यक सत्य का खंभा कलीसिया में जो समझना और मज़बूत होना आवश्यक है ।

"और इस में संदेह नही , कि भक्ति का गंभीर है; अर्थात वह जो शरीर में प्रगट हुआ, आत्मा में धर्मी ठहरा, स्वर्गदूतों को दिखाई दिया, अन्यजातियों में उसका प्रचार हुआ, जगत में उस पर विश्वास किया गया , और महिमा में ऊपर उठाया गया"।

ईश्वरत्व का भेद बिना प्रतिवाद है । 'बिना प्रतिवाद ' ग्रीक शब्द *homologoumenos* (होमोलोगोमेनस) , SC #3672 है जिसका अर्थ 'अंगीकार करते हुए ' और *homologeo* (होमोलोगेओ) SC #3670 आता है जिसका मतलब है 'अंगीकार ' अथवा शब्दानुसार 'एक ही प्रकार का बात बोलना ' । यह भेद सच्चाई में साहस के साथ में इसकी प्रकार अंगीकार करना चाहिए और इसके विरूद्ध कोई प्रतिवाद खड़ा नहीं हो सकता । हमारा अंगीकार सच्चाई के साथ इस भेद में समहत होनी चाहिए जैसे परमेश्वर का वचन प्रगट करता है ।

ईश्वरत्व का भेद

परमेश्वर शरीर में देहधारी हुआ

परमेश्वर मनुष्य बना ! ***"आदि में वचन था और वचन परमेश्वर के साथ था, और वचन परमेश्वर था"*** **यूहन्ना** 1:1 । ***"और वचन देहधारी हुआ ; और अनुग्रह और सच्चाई से परिपूर्ण होकर हमारे बीच में डेरा किया, और हम ने उस की ऐसी महिमा देखी, जैसी पिता के एकलौते की महिमा"*** । यीशु परमेश्वर का वचन है ; वह उसके नामों मे से एक हैं **प्रकाश** 19:13 में । **यीशु परमेश्वर था जो शरीर में देहधारी हुआ !**

1 **यूहन्ना** 1:1–3 में, यीशु ने वर्णन किया जैसे , ***"जीवन का वचन"*** और ***"जो आदि से था"*** , वर्णन को तीन स्वाभाविक भावों में प्रयोग किया गया हैं, सुना, ***"जिसे मैनें ने सुना" ;*** देखा, ***"जिसे अपनी***

आखों से देखा" ; छूआ, ***"हाथों से छूआ"*** । यूहन्ना हमें घोषित करता है कि ***"जीवन प्रगट हुआ"*** (**आयत** 2) । परमेश्वर शरीर में प्रगट हुआ और गवाहों ने शारीरिक तौर में उसे सुना, देखा और छुआ !

पौलुस यीशु मसीह के विषय में फिलिप्पियों को लिखता हैं , ***"जिस ने परमेश्वर के स्वरूप में होकर भी परमेश्वर के तुल्य होने को अपने वश में रखने की वस्तु न समझा , वरन अपने आपको ऐसा शुन्य कर दिया , और दास का रूप धारण किया , और मनुष्य की समानता में हो गया । और मनुष्य के रुप में प्रगट होकर अपने आप कि दीन किया ....."*** (2: 6-8 **अ**) । परमेश्वर मनुष्य का स्वरूप में आया और मनुष्य की समानता में पाया गया ! पौलुस लिखता है, ***"प्रथम मनुष्य धरती से , अर्थात मिट्टी से था , दुसरा मनुष्य स्वर्गीय है"*** (1 **कुरिन्थियों** 15:47) ।

<u>परमेश्वर आत्मा में धर्मी ठहराया गया</u>

परमेश्वर, जो शरीर में प्रगट हुआ आत्मा में धर्मी ठहराया गया । यह शब्द *dikaioo* SC #1344 डीकाईओ का अर्थ है धर्म अर्पण करना या निष्कलंक । परमेश्वर पवित्र आत्मा से शरीर में प्रगट हुआ कि साक्षी बने, अधिकार और धर्म को अर्पण करे ।

यूहन्ना आत्मा को चखने के विषय में सिखाता है । वह कहता है, ***"परमेश्वर का आत्मा, तुम इसी रीति से पहचान सकते हो. कि जो कोई आत्मा को मान लेती है, कि यीशु मसीह शरीर में होकर आया है वह परमेश्वर की ओर से है, और जो कोई आत्मा यीशु को नही मानती , वह परमेश्वर की ओर से नहीं ; और वही तो मसीह के विरोधी की आत्मा है"*** (1 **यूहन्ना** 4:2-3 **अ**) । परमेश्वर का अंगीकार शरीर में प्रगट होने के द्वारा आत्मा में धर्मी ठहराया गया !

<u>पवित्र आत्मा यीशु को परमेश्वर का पुत्र ठहराता है</u>

- उसके गर्भधारण में : स्वर्गदूत ने मरियम से कहा, ***"पवित्र आत्मा तुझ पर उतरेगा, और परमप्रधान की सार्मथ तुझ पर छाया करेगी , इसलिए वह पवित्र जो उत्पन्न होनेवाला है, परमेश्वर का पुत्र कहलाएगा"*** ।
- उसके बपतिस्मा मे : स्वर्गदूत ने उसे **"परमेश्वर का पुत्र ठहराया**, ***और यीशु बपतिस्मा लेकर तुरन्त पानी के बाहार आया , और देखो, उसके लिए आकाश खुल गया ; और उस ने परमेश्वर की आत्मा को कबूतर की नाई उतरते और अपने ऊपर आते देखा, और देखो , यह आकाशवाणी हुई, कि यह मेरा प्रिय पुत्र है, जिस से में अत्यन्त प्रशन्न हूं"*** (**मत्ती** 3:16-17)।
- उसके पुनरूत्थान द्वारा : ***"अपने पुत्र हमारे प्रभु यीशु मसीह के विषय में प्रतिज्ञा की थी , जो शरीर के भाव से तो दाऊद के वंश से उत्पन्न हुआ, और पवित्रता की आत्मा के भाव से मरे हुओं में से जी उठने के कारण सामर्थ के साथ परमेश्वर का पुत्र ठहरा है"*** **रामियों** 1:3- 4 ।

परमेश्वर का पुत्र कौन है?

पुत्र का वर्णन किया गया है, ***"वह उसकी (परमेश्वर की) महिमा का प्रकाश, और उसके तत्व की छाप है"*** (**इब्रानियों** 1:3) ; ***"वह तो अदृश्य परमेश्वर का प्रतिरूप है और सारी सृष्टि में पहलौठा है"*** (**कुलुस्सियों** 1:15) । मसीह जो ***"परमेश्वर का प्रतिरूप है"*** और ***"परमेश्वर की महिमा की पहचान की ज्योति यीशु मसीह के चेहरे से प्रकाशमान हो"*** (2 **कुरिन्थियों** 4:4,6)।

परमेश्वर का पुत्र है परमेश्वर जो देहधारी हुआ यीशु मसीह के व्यक्तित्व में ।
यीशु आत्मा में परमेश्वर का पुत्र ठहराया गया !

<u>स्वर्गदूत द्वारा देखा गया</u>

यीशु कई मौके पर स्वर्गदूतों को दिखाई दिया

- एक स्वर्गदूत ने घोषणा किया कि गर्भधारण के समय यीशु परमेश्वर का पुत्र है । ***"और स्वर्गदूत ने उस को उत्तर दिया ; कि पवित्र आत्मा तुझ पर छाया करेगी इसलिए वह पवित्र जो उत्पन्न होनेवाला है , परमेश्वर का पुत्र कहलाएगा"*** (**लूका** 1:35) ।
- स्वर्गदूत उसके जन्म में इकट्ठा हुआ, ***"और प्रभु का एक दूत उन के पास आ खड़ा हुआ .....तब स्वर्गदूत ने उनसे कहा , मत डरो, कि आज दाऊद के नगर में तुम्हारे लिए एक ऊद्धारकर्ता जन्मा है, और यही मसीह प्रभु है"*** (**लूका** 2:9–13) ।
- स्वर्गदूतों मरूभूमि में उसके परिक्षा के बाद उसकी सेवाकाई की, ***"तब शैतान उसके पास से चला गया ; और देखो, स्वर्गदूत आकर उसकी सेवा करने लगे"*** (**मत्ती** 4:11) ।
- एक स्वर्गदूत ने भी उसकी सेवाकाई की जब गेतसमनी बगीचा में उसने पिता के इच्छा में सर्मपण किया, ***"तब स्वर्ग से एक दूत उस को दिखाई दिया जो उसे सार्मथ देता था"*** (**लूका** 22:43) ।
- स्वर्गदूतों ने उसके पुनत्थान को कई स्त्रियों को प्रमाणित किया जब कब्र में प्रभु यीशु की लोथ नहीं पा सकें, ***"जब वे इस बात से भौचक्की हो रही थी तो देखो, दो पुरुष झलकते वस्त्र पहिने हुए उन के पास आ खड़े हुए । जब वे डर गई, और धरती की ओर मुंह झुकाए रही ; तो उन्हों ने उन से कहा ; 'तुम जीवते को मरे हुओं में क्यों ढूढती हो ' ?"*** (**लूका** 24:4–6) ।
- यीशु के स्वर्ग उठा लिया जाने के समय स्वर्गदूत लोग चेले के साथ थे, ***"देखते देखते ऊपर उठा लिया गया ; बादल ने उसे उन की आखों से छिपा लिया, और उसके जाते समय जब वे आकाश की ओर ताक रहे थे, तो देखो, दो पुरुष श्वेत वस्त्र पहिने हुए उनके पास आ खड़े हुए और कहने लगे ; हे गलली पुरूषों, तुम क्यों खड़े स्वर्ग की ओर देख रहे हो? यही यीशु, जो तुम्हारे पास से स्वर्ग पर उठा लिया गया है, जिस रीति से तुम ने उसे स्वर्ग जाते देखा है उसी रीति से फिर आएगा"*** (**प्रेरित** 1:9–11) ।

अन्यजातियों / राज्यों में प्रचार किया गया

परमेश्वर , यीशु मसीह मे जो देहधारी हुआ, अन्यजातियों में भी प्रचार लिया गया । मर्कुस गवाही देता हैं कि प्रेरित लोंग ***"निकलकर हर जगह प्रचार किया, और प्रभु उन के साथ काम करता रहा, और उन चिन्हों के द्वारा जो साथ-साथ होता थे वचन को, दृढ़ करता रहा "*** (**मर्कुस** 16:20) ; ***"जो तित्तर बित्तर हुए थे , वे सुसमचार सुनाते हुए फिरें"*** (**प्रेरित** 8:4) ।

पौलुस अपने आप को साक्षी देते हुए तीमुथियुस से कहता है कि वह, ***प्रचारक और प्रेरित आव्र अन्यजातियों के लिए विश्वास और सत्य का उपदेशक ठहराया गया*** (1 **तीमुथियुस** 2:7) । पौलुस इश्वरत्व का भेद का प्रचार करता है जैसा उसे अनुग्रह मिला था ***अन्यजातियों को मसीह के अगम्य धन का सुसमाचार सुनाऊं*** (**इफिसियों** 3:8) । पौलुस अन्यजातियों के लिए प्रेरित था (**गलतियों** 2:7-8) और इस भेद में **अन्यजातियों को प्रचार** करने में पौलुस खास कारण बना ।

पौलुस, इफिसुस में दो साल तक तुरन्नुस की पाठशाला में ***"दिनहूं विवाद करता रहा "***। इसका परिणाम यह हुआ कि ***"आसिया*** (तुर्की और नजदीक के स्थानों) ***के रहनेवाले क्या यहूदी, क्या यूनानी सब ने प्रभु का वचन सुन लिया"*** (**प्रेरित** 19:9-10)।

पौलुस, थिस्सलुनीकियों को लिखेते हुए यह गवाही देता है कि, ***"क्योंकि तुम्हारे यहां से... हर जगह ऐसी चर्चा फैल गई"*** (1 **थिस्स्लुनीकियों** 1:8) । कुलुस्सियों को वह लिखता है कि ***"सुसमचार का सत्य वचन .... तुम्हारे पास पहुंचा और जैसा जगत में वढ़ता जाता हैं"*** (**कुलुस्सियों** 1:5**ख**- 6) ।

यह इश्वरत्व का भेद, कि परमेश्वर देहधारी हुआ
निश्चय ही अन्यजातियों और राज्यों में प्रचार किया जाएगा !

संसार में विश्वास किया गया

प्रेरित 8:35-37 में फिलिप्पुस ***यीशु का प्रचार*** इथोपिया के पुंसक को किया । प्रचार सुनने और बाद इस मनुष्य का अंगीकार था, ***"मै विश्वास करता हूं कि यीशु मसीह परमेश्वर का पुत्र है"*** (**आयत** 37) ।

जैसे कुरनेलियुस और अन्य अन्यजातियाँ जो उसके घर में इकट्ठे थे, पतरस से उसका वचन का प्रचार सुना, ***"जो कोई उस (यीशु) पर विश्वास करेगा, उसको उसके नाम के द्वारा पापों की क्षमा मिलेगी"*** (**प्रेरित** 10: 43-44)

इफिसियों ने पौलुस के प्रचार के ऊपर विश्वास किया, ***"और उसी में तुम पर भी जब उद्धार का सुसमाचर है, और जिस पर तुम ने विश्वास किया, प्रतिज्ञा किए हुए पवित्र अत्मा की छाप लगी "*** (**इफिसियों** 1:13) ।

फिलिप्पुस बन्दीगृह का दारोगा और उसके घराने ***"प्रभु यीशु मसीह के ऊपर विश्वास किया "*** (**प्रेरित** 16:31-32) ।

आज तक भी लोंग प्रभु यीशु मसीह के ऊपर उद्धार प्राप्त कर रहे हैं ।

<u>महीमा में ग्रहण किया गया</u>

यीशु का अद्‌भुत घटना जो महीमा में ऊपर उठा लिया गया प्ररितों से देखा गया, ***"वह उन के देखते देखते ऊपर उठा लिया गया , और बादल ने उसे उन की आखों से छिपा लिया"*** (**प्रेरित** 1:9) ।

यीशु ने कहा, ***"तब मनुष्य के पुत्र का चिन्ह आकाश में दिखाई देगा , और तब पृथ्वी के सब कुलों के लोंग छाती पीटेंगे ; और मनुष्य के पुत्र को बड़ी सामर्थ और ऐश्वर्य के साथ आकाश के बादलों पर आते देखेंगे"*** (**मत्ती** 24:30) । यीशु ऊपर महीमा के साथ ऊठा लिया गया और इसी रीति पर वापस आएगा !

स्तिफनुस का यीशु का दर्शन हुआ जब महीमा में ऊपर उठा लिया जा रहा था जब वह चिल्लाया ***"देखो, मै स्वर्ग को खुला हुआ , और मनुष्य के पुत्र को परमेश्वर की दाहिनी ओर खड़ा हुआ देखता हूं !"*** (**प्रेरित** 7:56) ।

यीशु ***"वह पापों को धोकर ऊंचे स्थनों पर महामहिमन के दाहिने जा बैठा है*** (**इब्रानियों** 1:3) । यीशु ***"हमारे लिए अगुवा के रीति पर परदे के भितर तक पहुंचता है"*** (**इब्रानियों** 6:19-20) ।

बिना प्रतिबाद का स्वीकार करना होगा कि यह यीशु, जो मसीह है, परमेश्वर जो शरीर में प्रगट हुआ और महीमा में ऊपर उठा लिया गया **!**

यह एक गम्भीर भेद है जिसे निश्चयता के साथ अंगीकार करना पड़ता है :

- **परमेश्वर शरीर में प्रगट हुआ**
- **आत्मा में धर्मी गिना गया**
- **स्वर्गदूतों को दिखाई दिया**
- **अन्यजातियों को दिखाई दिया**
- **जगत में उस पर विश्वास किया गया**
- **महीमा में ऊपर उठा लिया गया**

इश्वरत्व का भेद प्रथम महत्वपूर्ण है । यह मसीही सिधान्त के कोने का पत्थर है । अन्य सारे भेदों का प्रगटीकरण सचमुस नहीं हो सकती और परमेश्वर की महीमा उसके लोगों के ऊपर नालिज़ नही हो सकती यदि यीशु मसीह कौन है का आधार समबंधी सिधान्त , नींव और कोने का पत्थर नहीं बनी हैं ।

पौलुस बताता है यह साधरण भेद 'परमेश्वर मनुष्य बन कर आया ' विषय पर आवश्यकता है ***कि परमेश्वर का घर , जो जिवते परमेश्वर की कलीसिया है , और जो सत्य का खंभा ; और नींव है ; उस मे कैसा बर्ताव करना चाहिए*** (1 **तिमुथियुस** 3:15)

पावल गल्लीगन और निकोलॉस जेक्सन

अर्न्तराष्ट्रीय प्रेरितीय प्रशिक्षण 2008
(INTERNATIONAL APOSTOLIC TRAINING 2008)

सोमवार 7 से - शनिवार 19 जनवरी तक

(स्कूल शुरू होगी सोमवार सुबह 9 बजे)

पास्टरों, अगुओं और जो मसीह की देह की सेवाकाई करने के लिए बुलाहट पांए हैं

बच्चों और किशोरों 13 वर्ष तक के लिए 13 सोमवार- शुक्रवार 11 तक

आयोजन होगी : **SHILOH CENTRE, 9 Russell St TOOWOOMBA, ph. 0746130633**

विदेशी यात्रांए

बर्मा (म्यानमार) –10 से 24 फरवरी तक पावल और निकोलासॅ

भारत– 24 फरवरी से पावल और निकोलासॅ 2 सप्ताह के लिए ; ब्रुस और जीन 5 सप्ताह के लिए

email: rma@revivalministries.org.au